केन्द्रीय विद्यालय इफको गांधीधाम (अहमदाबाद –संभाग)

द्वितीय –सामयिक परीक्षा 2018-19

कक्षा –नौवीं

समय- 3 घंटा विषय –हिन्दी पूर्णांक-80

निर्देश :-1. प्रश्नों के क्रमांक अवश्य लिखिए |

2. प्रश्नों के अंक सम्मुख दिए गए हैं |

खंड –क

प्रश्न 1. अपठित गदयांश पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए | 2*5=10

साक्षरता का अभिप्राय है – अक्षर –ज्ञान | अक्षर ज्ञान के बिना शिक्षा का विकास असंभव है | एक वक्तव्य के अनुसार चिंतन का आधार मन है | यह जरूरी नहीं कि अक्षर –ज्ञान से ही कोई समझदार बन सकता है | विचार में साक्षरता , शिक्षा नहीं हैं ,परंतु हमारे विचार में अक्षर –ज्ञान के बिना चिंतन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकती | अक्षरों से शब्द बनते हैं , शब्दों से वाक्य और वाक्यों से भाषा का रूप तैयार होता है |

किसी बात को समझने तथा समझाने के लिए भाषा अनिवार्य है | अत: अक्षर – बोध के बिना भाषा – ज्ञान नहीं हो सकता और भाषा के अभाव में न विचारों की अभिव्यक्ति हो सकती है , न एक – दूसरे के विचारों को समझा जा सकता है और मनुष्य का जीवन – स्तर पशुओं से ऊपर ले जाना भी दुष्कर होगा | इसलिए साक्षरता के बिना मानव –जीवन में किसी प्रकार की प्रगति की आशा व्यर्थ है |

भारत में बहुत समय तक राज्य सरकार द्वारा शिक्षा का समुचित प्रबंध न किए जाने से इतने बड़े देश में निरक्षर लोगों की संख्या बढ़ गई | इससे शिक्षा प्राप्ति के सारे मार्ग रुक गए और प्रगति के लिए चिंतन कार्य न हो सका | फलत: कई सदियों तक इस देश में वैज्ञानिक प्रगति शून्य के बराबर रही , जिससे आर्थिक विषमताओं का प्रकोप झेलना पड़ा |

(क) अक्षर – ज्ञान के बिना शिक्षा का विकास क्यों संभव नहीं है ?

(ख) भारत को आर्थिक विषमताओं का प्रकोप क्यों झेलना पड़ा ? स्पष्ट कीजिए |

(ग) मनुष्य का जीवन स्तर पशुओं से ऊपर ले जाना कब दुष्कर हो जाएगा ?

(घ) भारत जैसे बड़े देश में निरंतर लोगों की संख्या क्यों बढ़ गई ?

(ड़) 'वैज्ञानिक ' शब्द में निहित मूल शब्द व प्रत्यय क्या है ?

प्रश्न 2. निम्नलिखित पद्यान्श को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2*5=10

जा रहा हूँ दूर दुनिया से बिछुड़कर ,देखकर ये आँख में आँसू न भरना

Scanned by CamScanner

टूटती आवाज़ में फिर कह रहा हूँ ,साथियों ! अपने वतन से प्यार करना |

काश मेरी माँ यहाँ से देख पाती , घाव मैंने पीठ पर खाया नहीं है

दूध का बदला चुका कर जा रहा हूँ , रक्तरंजित गात मुरझाया नहीं है

जन्म जितनीबार भी लूँ इस धरा पर , दूध ऐसी सिंहनी का ही पिऊँ मैं

चार दिन की ज़िंदगीया सौ बरस की , देश का हित साधने को ही जिऊँमैं

देश के हित में सदा स्वीकार मरना |

प्रेयसी की माँग का सिंदूर लेकर , माँग मैंने आज धरती की भरी है

श्वेत साड़ी रह गई है प्रेयसी की , चुनरी स्वाधीनता की तो हरी है

तोड़कर चूड़ी प्रिया सबसे कहेगी , जुल्म की जंजीर प्रियतम तोड़ आया

उम्रभर को सो गया मुँह मोड़कर जो ,दुश्मनों की तोप के मुँह मोड़ आया

रोशनी उसके लिए ये सीख देगी , घायलों की सेविका बनकर विचरना |

(क) वीर सैनिक अपने साथियों से क्या अनुरोध कर रहा है ?
(ख) सैनिक अपनी माँ से क्या चाहता है ?
(ग) सैनिक क्यों चाहता है कि उसकी माँ उसे देख पाती ?
(घ) प्रियतम को खोकर भी प्रेयसी को दुख क्यों नहीं होगा ?
(ङ) कवि ईश्वर से क्या याचना नहीं करता ?

खंड –ख ,

प्रश्न 3. निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय व मूल शब्द अलग कीजिए - ½*2=2

(1) दुनियादारी (2) गरमाहट

प्रश्न 4. निम्नलिखित शब्दों की संधि –विच्छेद कीजिए - 1*4=4

पवन अत्याचार नारीश्वर सदैव

प्रश्न 5. निम्न शब्दों में से मूल शब्द ओर उपसर्ग अलग कीजिए - 1*2=2

(1)दुर्भाग्य (2) सदाचार

प्रश्न 6. निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए - 1*2 =2

(1)तान्या ने अपना पाठ स्मरण कर लिया | (निषेधवाचक)

(2) यदि वह परिश्रम करता , तो सफल हो जाता | (विधानवाचक)

Scanned by CamScanner

प्रश्न 7. अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए – 1*2=2 (1)

आपकी यात्रा मंगलमय हो |

(2) रात के समय तुम्हें घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए |

प्रश्न 8. अलंकार बताइए – 1*3=3

(1) जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झर कर कुसुम |

(2) संसार की समर –स्थली में धीरता धारण करो |

(3) तीन बेर खाती थी वे तीन बेर खाती है |

खंड –ग

प्रश्न 9 . निमंलिखित गदयांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2*3=6

मुझे लगता है ,तुम किसी सख्त चीज़ को ठोकर मारते रहे हो | कोई चीज़ जो परत –पर –परत सदियों से जम गई है , उसे शायद तुमने ठोकर मार –मारकर अपना जूता फाड़ लिया | कोई टीला जो रास्ते पर खड़ा हो गया था, उस पर तुमने अपना जूता आज़माया | तुम उसे बचाकर , उसके बगल से तो निकल सकते थे | टीलों से समझौता भी तो हो जाता है | सभी नदियाँ , पहाड़ थोड़े ही फोड़ती हैं , कोई रास्ता बदलकर घूमकर भी तो चली जाती है |

(क) 'मुझे लगता है ' वाक्य में 'मुझे ' शब्द किसके लिए आया है ?

(ख) 'टीलों से समझौता भी तो हो जाता है ' यहाँ 'टीलों ' का क्या अर्थ है ? स्पष्ट कीजिए |

(ग) सख्त चीज़ से ठोकर मारने का क्या आशय है ?

प्रश्न 10 . निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर कीजिए – 2*4=8

(क) पाठ 'प्रेमचंद के फटे जूते ' में 'टीले ' शब्द का प्रयोग किन संदर्भों को इंगित करने के लिए किया गया होगा ?

(ख) प्रेमचंद पर्दे के महत्व को क्यों नहीं समझते ?

(ग) लेखिका उर्दू –फ़ारसी क्यों नहीं सीख पाई ? पाठ 'मेरे बचपन के दिन के आधार पर बताइए |

(घ) लेखिका ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है ?

प्रश्न 11 . पठित पद्यान्श को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2*3=6

क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी ,

'क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की ,

बाँध टूटा झर –झर मिलन के अश्रु ढरके |

मेघ आए बड़े बन –ठन के सँवर के |

(क) कवि एव कविता का नाम लिखिए ?

(ख) बादलों के लिए क्षितिज पर छाने से पहले क्या बना हुआ था ?

Scanned by CamScanner

(ग) 'क्षमा करों गाँठ खुल गई भरम की ' कवि ने ऐसा क्यों कहा ?

प्रश्न 12 . निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2*4=8

(क) 'मेघ आए 'कविता में गाँव में किसके आगमन का उल्लास दृष्टिगोचर होता है और क्यों ?

(ख) चने के पौधे को ठिगना क्यों कहा गया है ?

(ग) मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए ?

(घ) आलसी को हठीली ,पतली और लचीली क्यों कहा गया है ?

प्रश्न 13 . रामस्वरूप का अपनी बेटी को उच्च शिक्षा दिलवाना और विवाह के लिए छिपाना , यह विरोधाभास उनकी किस विवशता को उजागर करता है ? 3*1=3

अथवा

(ख) माटी वाली का रोटियों का इस तरह हिसाब लगाना उसकी किस मज़बूरी को प्रकट करता है ?

खंड –घ

प्रश्न 14 . आप एक ट्रैकिंग कैंप में जाना चाहते है ,पर आपके पिताजी ऐसा नहीं चाहते | उन्हें ऐसे कैंपों की उपयोगिता समझाते हुए पत्र लिखिए | 5*1=5

प्रश्न 15 . निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 200 से 250 शब्दों में निबंध –लेखन कीजिए | 10*1=10

(1)धरती का बढ़ता तापमान (2) भारत के गाँव (3)मेरे सपनों का भारत

Scanned by CamScanner